पर्यटन निदेशालय , उत्तर प्रदेश का संगठनात्मक ढाँचा

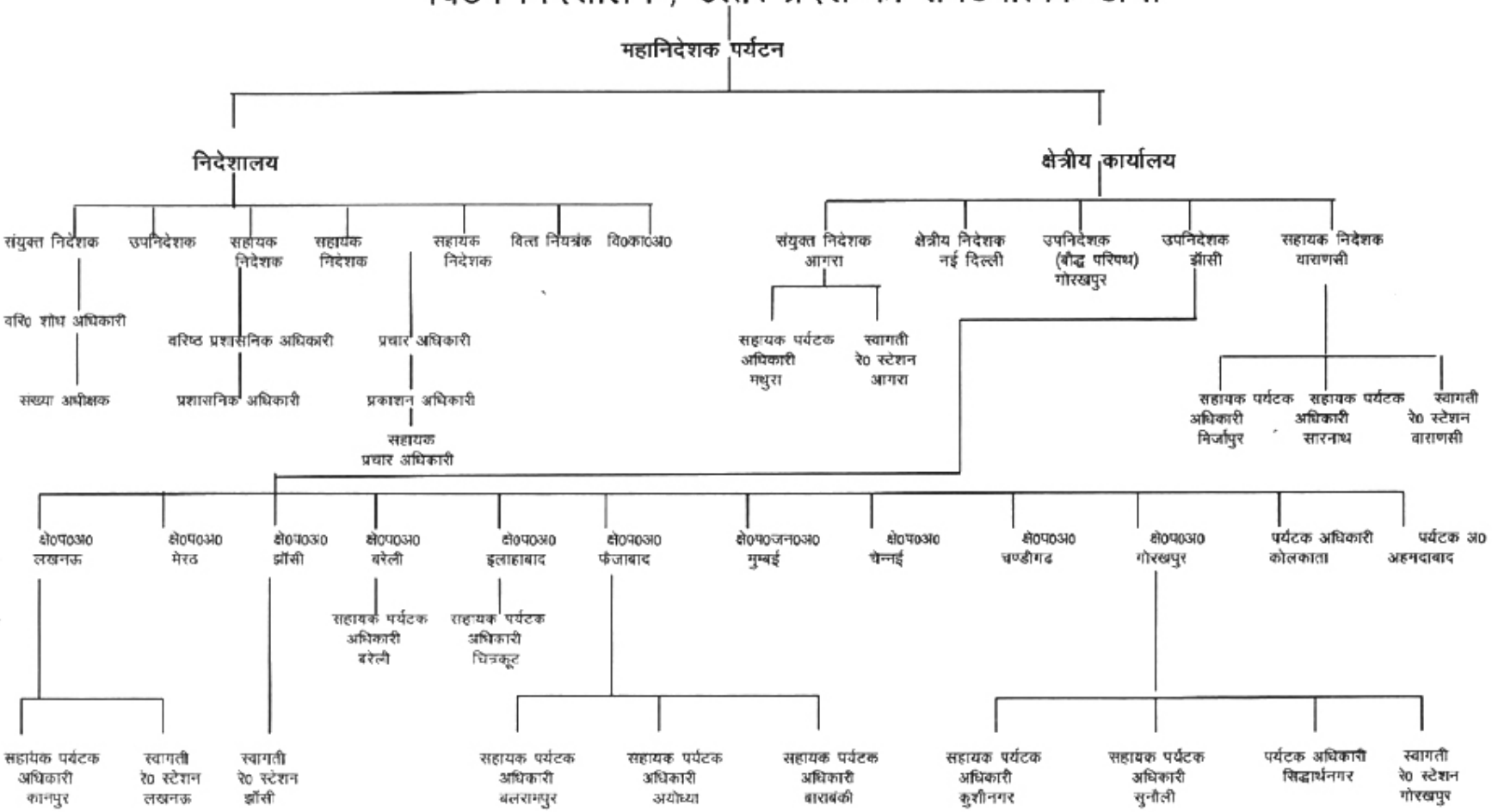

क्षे0 प0 अ0 (क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी) क्षे0 प0 जन0 अ0 (क्षेत्रीय पर्यटक एवं जनसम्पर्क अधिकारी) वि0 का0 अ0 (विशेष कार्य अधिकारी)

भूमिका

पर्यटन के बहुआयामी आकर्षणों से परिपूर्ण उत्तर प्रदेश भारत का ऐसा राज्य है जहाँ पर्यटन–विकास के साथ–साथ निजी क्षेत्र के लिए पूँजी–निवेश हेतु भी विपुल संभावनाएं विद्यमान हैं। ऐसी विशेषताओं के कारण ही इस प्रदेश में हर आयु, वर्ग, सम्प्रदाय तथा क्षेत्र के पर्यटक प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में भ्रमणार्थ आते हैं। अनुमान है कि वर्श 2009 में लगभग 1373.27 लाख भारतीय पर्यटक तथा लगभग 17.71 लाख विदेशी पर्यटक प्रदेश के भ्रमण पर आए।

उत्तर प्रदेश की विशालता और सीमित संसाधनों को देखते हुए पर्यटन–नीति में यह व्यवस्था की गई है कि पर्यटन–विकास के कार्य चिन्हित परिपथों के आधार पर कराते हुए इन परिपथों के अन्तर्गत आवश्यकतानुसार सड़क, पानी, बिजली, भोजन तथा आवास जैसी मूलभूत पर्यटन–सुविधाएं सुलभ करायी जाएं।

प्रदेश के समन्वित एवं नियोजित पर्यटन–विकास व प्रचार–प्रसार हेतु निम्नलिखित पर्यटन–परिपथों का चिन्हांकन किया गया है –

बौद्ध परिपथ

ब्रज (आगरा–मथुरा) परिपथ

वाराणसी–विन्ध्य परिपथ

लखनऊ–अवध परिपथ

झाँसी–बुन्देलखण्ड परिपथ

जल–विहार परिपथ

वन्य जीव–इको, साहसिक परिपथ

उद्देश्य

पर्यटन विभाग के प्रमुख उद्देश्य निम्नवत हैं :–

प्रदेश के समन्वित पर्यटन–विकास व प्रचार–प्रसार के लिए पर्यटन–परिपथों का चिन्हांकन और उनके वृहद विकास के लिए पर्यटन महत्व के स्थानों का चयन कर पर्यटन संबंधी अवस्थापना सुविधाएँ सुलभ कराने के लिए योजनाओं की संरचना करके उन्हें राज्य/केन्द्र सरकार के संसाधनों से केन्द्रीय योजना, राज्य योजना एवं जिला योजना के माध्यम से कार्यान्वित कराना ताकि प्रदेश में पर्यटकों के निर्बाधित आवागमन में वृद्धि हो सके तथा पर्यटकों को अधिकाधिक सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

- प्रदेश सरकार द्वारा जिला योजना के अन्तर्गत पर्यटन–विकास के लिए ऐसे पर्यटक स्थलों का चयन करना, जहाँ कम से कम 50 हजार पर्यटक प्रतिवर्ष भ्रमण हेतु आते हों।
- राज्य योजना के अन्तर्गत ऐसे पर्यटक स्थलों का चयन, जो मुख्य परिपथ के अन्तर्गत आते हों तथा जहाँ विदेशी व भारतीय पर्यटकों का आवागमन वर्ष भर बना रहता है।
- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार से समन्वय स्थापित कर केन्द्रीय योजना के अन्तर्गत गन्तव्य पर्यटक स्थल, पर्यटन–परिपथ, ग्रामीण–पर्यटन, राजस्व प्राप्ति परियोजनाओं, सूचना प्रौद्योगिकी, जल–विहार एवं इको–पर्यटन के तहत प्रदेश में पर्यटन–विकास के अधिकाधिक कार्यों को क्रियान्वित कराते हुए उत्तर प्रदेश के वृहद विकास को बल प्रदान कराना।
- उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं साँस्कृतिक परम्परा को संरक्षण व प्रोत्साहन प्रदान

कराना।

- पर्यटकों को परिवहन, आवास, भोजन तथा मनोरंजन हेतु सस्ती, स्वच्छ एवं संतोषजनक सुविधाएं उपलब्ध कराना।
- पर्यटकों के मार्ग–दर्शन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के पर्यटक स्थलों–स्मारकों एवं संस्कृति–कला–शिल्पजनित विशेषताओं को प्रदर्शित करने वाले तथ्यपूर्ण एवं ज्ञानवर्द्धक पर्यटन साहित्य छपवाना व पर्यटकों को उपलब्ध कराना।
- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए उत्तर प्रदेश को आदर्श गन्तव्य केन्द्र के रूप में विकसित कराने के प्रयत्नों के क्रम में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन देना।
- पर्यटकों को प्रदेश की विशिष्ट साँस्कृतिक परम्परा के माध्यम से अधिकाधिक संख्या में उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से विभिन्न मेले–महोत्सवों एवं संगोष्ठियों का आयोजन करवाना।